विनायक को सजा न्याय की विफलता जैसी : सेन

नई दिल्ली। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मानवाधिकार कार्यकर्ता डा.विनायक सेन का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें दी गई उम्र कैद की सजा न्याय

की विफलता की तरह है।

सेन ने आशा जताई कि छत्तीसगढ़ की एक अदालत से राजद्रोह और माओवादियों से संपर्क रखने के अपराध में आजीवन कारावास की सजा पाए बिनायक सेन का मामला देश की च्च्च अदालतों में चुनौती दिए जाने पर नहीं टिकेगा।

नोबेल पुरस्कार विजेता ने पत्रकार और वृत्तचित्र निर्माता मित्री वैद की पुस्तक ए डाक्टर टू डिफेंड- द स्टोरी आफ बिनायक सेन का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने ध्यान दिलाया कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने को लेकर विनायक सेन ने एक उदाहरण पेश किया है। सेन ने कहा कि यह फैसला भारतीय लोकतंत्र, कानूनी ढांचे और समानता के मुद्दे के साथ भारतीय जुड़ाव पर प्रश्न चिन्ह उठाता है। सेन के मुताबिक, यह फैसला दर्शाता है कि विनायक को अन्यायपूर्ण तरीके से दोषी ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह मामला अभी भी विचाराधीन है और हमे दूसरी अटकलें नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह फैसला बदल दिया जाएगा।